एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2013–14
प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) अंक 85

Hkkjrh; lxhr dk lkeku; fl/nkUr ,oa 0;ogkfjd fl/nkUr

इकाई 1 निम्नलिखित रागों का सैध्दान्तिक एवं तुलनात्मक अध्ययन
1. श्यामकल्याण 2. देवगिरि बिलावल 3. यमनि बिलावल
4. बागेश्री 5. रागेश्री 6. अहिर भैरव
7. बैरागी भैरव

इकाई 2 प्रायोगिक हेतु निर्धारित रागों की गतों का स्वरलिपि लेखन

इकाई 3 निम्नलिखित रागांगो का विस्तृत अध्ययन
1. कल्याण 2. बिलावल 3. सारंग

इकाई 4 अ) भारतीय वाद्य संगीत के प्रमुख घरानों जैसे रामपुर एवं इनायत खॉ घरानों का इतिहास एवं विशेषता ।
ब) रामपुर एवम् इनायत खॉ घरानों का सांगीतिक योगदान

इकाई 5 निम्नलिखित विषयों पर निबंध
1. संस्थागत संगीत शिक्षण
2. संगीत में गुरूशिष्य परम्परा
3. जीवन में संगीत का स्थान
4. संगीत में ताल का महत्व
5. राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना में संगीत की भूमिका
6. शास्त्रीय संगीत का भविष्य

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2013–14
प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) अंक 85

Hkkjrh; lxhr dk bfrgkl ,oa lkn;'kkL=

इकाई 1 1. भारतीय संगीत की उत्पत्ति एवं विकास
2. अपने वाद्यों के घरानों का अध्ययन

इकाई 2 1. मौर्य एवं गुप्तकालीन संगीत का विस्तृत अध्ययन
2. आधुनिक संगीत का अध्ययन

इकाई 3 महर्षि भरत, पं.शारंगदेव,पं. मतंग एवं पं. अहोबल कृत ग्रंथों का संक्षिप्त अध्ययन एवं संगीत में योगदान

इकाई 4 रस की परिभाषा एवं प्रकारों का अध्ययन, राग रस सिध्दान्त

इकाई 5 1. कला एवं सौंदर्य का अध्ययन एवं पारस्परिक संबन्ध
2. सौंदर्य शास्त्र की विशेषताएं

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2013–14
प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) अंक 100

jkx oknu ,oa ekf[kd ijh{kk

इकाई 1 निम्नलिखित रागों में से किन्ही दो रागों में विलम्बित एवं दृतगत आलाप तान सहित एवं शेष सभी रागों में केवल दृत गत का वादन
1. श्यामकल्याण 2. देवगिरि बिलावल 3. यमनि बिलावल
4. बागेश्री 5. रागेश्री 6. अहिर भैरव
7. बैरागी भैरव

इकाई 2 उपर्युक्त निर्धारित रागों में से एक धुन एवं भजन रचना

इकाई 3 उपर्युक्त सभी रागों (कुल 7) की मौखिक परीक्षा ।

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2013–14
प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) अंक 100

ep in'ku

इकाई 1 प्रथम प्रायोगिक प्रश्नपत्र की इकाई एक में निर्धारित रागों मे से किसी भी एक राग का विलम्बित एवं दृत गत का वादन

इकाई 2 प्रथम प्रायोगिक प्रश्नपत्र की इकाई एक में निर्धारित रागों मे से परीक्षक दिये गये राग के मध्यलय गत का आलाप तान सहित वादन

इकाई 3 निम्नलिखित गीत प्रकारों मे. से किसी एक गीत प्रकार का वादन
1. भजन 2. गजल 3. गीत 4. लोकगीत

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2013–14
द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) अंक 85

0;ogkfjd lxhr dk fl/nkUr ,oa lkxhfrd jpuk,a

इकाई 1 निम्नलिखित रागों का विस्तृत एवं तुलनात्मक अध्ययन
1. मधुकौंस 2. चन्द्रौंस 3. हैंसध्वनि
4. मधुवन्ती 5. भटियार 6. विभास
7. गुर्जरी तोडी

इकाई 2 दिए गए रागों को स्वरलिपी बध्द करना

इकाई 3 अ. संगीत में शोध प्रतिधि का सामान्य अध्ययन
ब. संगीत में शोध की आवश्यकता

इकाई 4 हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत की ताल पध्दति एवें विभिन्न गीत प्रकारों का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई 5 अ. वादन के विभिन्न घरानें
ब. सैनिया घराने का विभास

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2013–14
द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) अंक 85

Hkkjrh; lxhr dk bfrgkl ,oa /ofu'kkL=

इकाई 1 1. भारतीय संगीत की उत्पत्ति से संम्बन्धित विद्वानों का विभिन्न मत
2. भारतीय संगीत का मध्यकालीन इतिहास

इकाई 2 1. संगीत वाद्यों की उत्पत्ति एवं विकास (तंत्री वाद्य)
2. निम्नलिखित वाद्यों का विस्तृत परिचय
1. मत्तकोकिला 2. किन्नरी 3. मृदंग 4. पटह
5. मधुकरी 6. घंटा 7. वंशी 8. कांस्यताल

इकाई 3 निम्नलिखित संगीतज्ञ एवं ग्रन्थकारों का भारतीय संगीत में योगदान
1. पं. रविशंकर 2. पं. व्ही.जी. जोग 3. पं. लालमणि मिश्र
4. राजा मानसिंह तोमर 5. रविन्द्रनाथ टैगोर 6. उ. विलायत खॉ

इकाई 4 गायन के विभिन्न प्रकारों का अध्ययन
शास्त्रीय संगीत– 1. ध्रुपद 2. धमार 3. तराना 4. चतुरंग
उपशास्त्रीय संगीत – 1. दादरा 2. कजरी 3. चैती 4. होरी

इकाई 5 ध्वनि शास्त्र
1. ध्वनि का उत्पादन, प्रसारण एवं ग्रहण 2. ध्वनि के प्रकार
3. कम्पन और आवृत्ति का विवेचन

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2013–14
द्वितीय सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) अंक 100

jkx oknu ,oa ekf[kd ijh{kk

इकाई 1 निम्नलिखित रागों में से किन्ही दो रागों में विलम्बित एवं दृतख्याल विस्तृत गायकी सहित
1. मधुकौंस 2. चन्द्रौंस 3. हैंसध्वनि
4. मधुवन्ती 5. भटियार 6. विभास
7. गुर्जरी तोडी

इकाई 2 उपर्युक्त रागों में विलम्बित ख्याल वाले रागों को छोडकर शेष चार रागों में केवल मध्यलय के ख्याल विस्तृत गायकी सहित ।

इकाई 3 उपर्युक्त सभी रागों (कुल 7) की मौखिक परीक्षा ।

एम.ए. वाद्य संगीत सत्र 2013–14
द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) अंक 100

ep in'ku

इकाई 1 परीक्षार्थी द्वारा चयनित किसी एक एक राग का विस्तृत गायन ।

इकाई 2 किसी एक राग में दृत ख्याल गायकी सहित ।

इकाई 3 उपशास्त्रीय संगीत में दादरा, होरी, कजरी या चैती का गायन ।

इकाई 4 सुगम संगीत के अन्तर्गत भजन अथवा लोकसंगीत का गायन ।

(नोटः– द्वितीय सेमेस्टर के लिए परीक्षार्थी द्वारा रागों का चयन प्रथम सेमेस्टर से भिन्न होना आवयक है)

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2013–14
प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) अंक 85

इकाई 1. निम्नलिखित दक्षिण पूर्वी एशियाई नृत्यों का संक्षिप्त परिचय –
बालीनीज एवं थाई
दक्षिण पूर्वी एशियाई नृत्यों पर भारतीय नृत्यकला का प्रभाव
- बैले की उत्पत्ति, इतिहास व विकास
- आधुनिक नृत्य का विकास – नृत्यनाटिका, संगीतिका

इकाई 2 करण, अंगहार,रेचक,पिण्डबन्ध,स्थान
हस्ताभिनय : दशावतार हस्त, जाति हस्त, बांधव हस्त

इकाई 3 रस का स्वरूप, भाव,विभाव,अनुभाव,संचारी भाव, रसो की संख्या, रसों के प्रकार
नायक भेद

इकाई 4 ताल शब्द की व्युत्पत्ति
ताल के दश प्राण
लय प्रस्तार–विभिन्न लयकारियों को लिखने का अभ्यास ।

इकाई 5 निम्नलिखित तालों में बोलों को लिपिबध्द करना–
धमार / रूपक,पंचम सवारी / शिखर मत्त ताल / त्रिताल

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2013–14
प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) अंक 85

इकाई 1. भारतीय नृत्यकला का इतिहास ।
प्रागैतिहासिक काल, वैदिक काल,रामायण काल, महाभारत काल, जैन व बौध्द धर्म के अभ्युदय का काल ।

इकाई 2 भारत की विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों का
अध्ययन–कथक,कथकली,मणिपुरी, भरतनाट्यम,कुचिपुडि,ओडिसी सत्रिय एवं छाउ नृत्य का संक्षिप्त परिचय ।

इकाई 3 नृत्यकला संबंधी प्राचीन ग्रंथों की जानकारी ।
अभिनय उर्पण एवं संगीत रत्नाकर का नृत्याध्याय ।

नाट्यशास्त्र की विषय वस्तु का अध्ययन ।

इकाई 4 नवाब वाजिद अली शाह एवं राजा चक्रधर सिंह का कथक के विकास में योगदान ।
राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित ग्रन्थों का परिचय ।

इकाई 5 साहित्य एवं नृत्यकला का अन्य ललित कलाओं से संबंध ।
नृत्य की संस्थागत शिक्षण पध्दति एवं गुरूशिष्य परम्परा का तुलनात्मक अध्ययन।

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2013–14

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) अंक 85

ताल नर्तन

इकाई 1. तीन ताल में सम्पूर्ण नृत्य प्रदर्शन की विशेष क्षमता

इकाई 2. निम्नलिखित अप्रचलित तालों मेसे एक ताल में सम्पूर्ण नर्तन –
पंचम सवारी, रास, अष्टमंगल

इकाई 3. क्रम लय, तत्कार के पल्टे

इकाई 4. द्रुत गति में पैरों की तैयारी

इकाई 5. उपरोक्त वर्णित सभी तालों का तत्कार सहित परिचय

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2013–14

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) अंक 85

vfHku; ,o uRr o uR; lajpuk

इकाई 1. परिष्कृत प्रकार की गते या गत विकास
घूंघट के प्रकार, रूखसार,आंचल,मटकी,मुरली,छेडछाड की गत

इकाई 2. निम्न में से किसी एक कथानक पर गतभाव –
द्रौपदी चारहरण, जटायू मोक्ष, कालिया दमन, गोवर्धन धारण

इकाई 3. गणेश अथवा शिव स्तुति/वंदना पर भाव प्रदर्शन
दादरा या कहरवां पर आधारित गीत पर भाव प्रदर्शन

इकाई 4. परीक्षक द्वारा पूछे गए किसी अपरिचित बोल की पढन्त व उसे प्रदर्शित करने की क्षमता

इकाई 5. अष्टनायिका पर भाव प्रदर्शन (कम से कम चार)

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2013–14
द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) अंक 85

इकाई 1. निम्नलिखित दक्षिण पूर्वी एशियाई नृत्यों का संक्षिप्त परिचय एवं भारतीय नृत्यकला के साथ सहसम्बंध –
जावानीज, केनेडियन, बर्मीज

इकाई 2. पाश्चात्य नृत्यकला का परिचय बालरूम डांस, ओपेरा

इकाई 3. चारी, मण्डल, भ्रमरी, उत्पलवन भेद, गति भेद, अभिनय भेद
हस्ताभिनय – देवहस्त, नवग्रह हस्त, नृत्त हस्त

इकाई 4. रस निष्पत्ति के सिध्दान्त, नायिका भेद,
अष्टनायिका का परिचय उदाहरण सहित

इकाई 5. ताल शब्दावली, उत्तर तथा दक्षिण भारतीय ताल पध्दति का परिचय
निम्नलिखित तालों में बोलों को लिपिबध्द करना –
झपताल/एकताल,रास/अष्टमंगल, त्रिताल

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2013–14
द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (सैध्दान्तिक) अंक 85

इकाई 1. पूर्व मध्यकाल एवं इस्लामी सत्ताकाल में भारतीय नृत्यकला के विकास की जानकारी । स्वतंत्र भारत में नृत्यकला का विकास ।

इकाई 2. पारम्परिक नृत्य नाट्य – यक्षगान, रामलीला, नौटंकी, नक्काली का संक्षिप्त परिचय ।

इकाई 3. आचार्य भरत मुनी द्वारा रचित भरतनाट्य शास्त्र का सामान्य परिचय व भरतनाट्य शास्त्र के 'ताण्डव लक्षणम' नामक चतुर्थ अध्याय का विशेष

अध्ययन ।

इकाई 4. कथक नृत्य के विभिन्न घरानों का उद्‌भव, विकास व विशेषताएं ।
लखनउ घराना, जयपुर घराना, बनारस घराना, रायगढ घराना

इकाई 5. रासलीला और कथक नृत्य का सहसंबंधं ।
म.प्र. के पारम्परिक लोक नृत्यों का सामान्य परिचय ।

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2013–14
द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) अंक 100
उत्तीर्णांक 33

इकाई 1. निम्नलिखित प्रचलित तालों मे से एक ताल में सम्पूर्ण नृत्य प्रदर्शन की क्षमता –
धमार, रूपक, झपताल, एकताल

इकाई 2. नौहक्का, जाति परन, फरमाईशी, दुपल्ली, त्रिपल्ली व चौपल्ली परनों का ज्ञान

इकाई 3. जरब

इकाई 4. बोल जाति

इकाई 5. उपरोक्त वर्णित सभी तालों का तत्कार सहित परिचय

एम.ए. नृत्य (कथक) संगीत सत्र 2013–14
द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र (प्रायोगिक) अंक 100
उत्तीर्णांक 33

इकाई 1. कृष्ण अथवा राम की वन्दना/स्तुति पर भाव प्रदर्शन

इकाई 2. निम्नलिखित कथानकों में से किसी एक कथानक पर गतभाव –
माखनचोरी, होली, सीता हरण, मदन दहन ।

इकाई 3. किसी एक ठुमरी पर भाव प्रदर्शन ।

इकाई 4. तराना ।

इकाई 5. परीक्षक द्वारा पूछे गए विषय पर भाव प्रदर्शन की क्षमता ।